ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBBIL/2014/66218 PP. NO.- 273-275
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-1, Issues-16 YEAR- June. -2020

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य
(पद्मविभूषण से सम्मानित) (एक परिचय)

मुकुन्द मोहन पाण्डेय
शोध अध्येता, विशेष शिक्षा विभाग, नेहरु ग्राम भारती विश्वविद्यालय,
कोटवा– जमुनीपुर, इलाहाबाद (उ0प्र0), भारत

Received- 04.05.2020, Revised- 09.05.2020, Accepted - 13.05.2020 E-mail: shakil1782@gmail.com

सारांश : ***प्रस्तुत शोध पत्र जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी के जीवनवृत्त पर आधारित है। इस शोध पत्र में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जीवन के सभी पक्ष एवं उपलब्धियों पर शोधार्थी ने शोध कार्य किया है।***

कण्टकवृन्द के बीच खिले अलिगुंजन को अनुकूल बने हम ।
आतप शीत बयार सहे पशुओं के लिए प्रतिकूल बने हम ।।
माली की माला की शोभा बढाकर भामिनी केश दुकूल बने हम ।
जीवन की बगिया में अहो शतशूल सहे फिर फूल बने हम । ।

कुंजीभूत शब्द– जीवनवृत्त, आधारित, शोध पत्र, जीवन, उपलब्धियों, शोधार्थी, कण्टकवृन्द, अलिगुंजन, अनुकूल।

नाम– जगदगुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य।

पूर्वाश्रम– डॉ 0 गिरिधर लाल मिश्रा ।

वर्ण– हिन्दू – ब्राह्मण ।

वर्तमान– चतुर्थाश्रमी त्रिदण्डी संन्यासी ।

सम्प्रदाय– श्रीरामानन्द सम्प्रदाय ।

पद– श्रीचित्रकूटतुलसीपीठाधीश्वर जगदगुरु रामानन्दाचार्य। (इस शताब्दी के संस्कृत में प्रथम प्रस्थानत्रयी भाष्यकार)।

जन्मतिथि– 14 जनवरी 1950 (चौदह जनवरी उन्नीस सौ पचास)।

जन्मस्थान– शाण्डीखुर्द, जौनपुर (उत्तर प्रदेश)।

विषेष– जन्म के दो महीने पश्चात ही भौतिक नेत्र ज्योति समाप्त। जन्म के ठीक पाँच वर्ष पश्चात् सम्पूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता कण्ठस्थ। 14 जनवरी 1957 को सम्पूर्ण श्री रामचरितमानस कण्ठस्थ। एक ही बार सुनकर किसी भी विषय को कण्ठस्थ करने की असाधारण शक्ति।

शिक्षा– प्रारम्भ से परास्नातक पर्यन्त अर्थात् पधमा, पूर्वमध यमा, उत्तरमध्यमा, शास्त्री तथा आचार्य पर्यन्त राब में **प्रथम श्रेणी** – प्रथम स्थान।

1973 में नष्यव्याकरण से शास्त्री, किन्तु अकों के आधार पर सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के सभी विभागों में सर्वाधिक अंक यूनीवर्सिटी टॉप, प्रथम स्थान तथा एक स्वर्णपदक । 1975 में अखिल भारतीय संस्कृतवादविवाद प्रतियोगिता में सर्वप्रथम कुलाधिपति स्वर्णपदक । 1978 में नय्य व्याकरणाचार्य की परीक्षा में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के सभी विभागों में सर्वाधिक अङ्ग .सम्पूर्ण यूनीवर्सिटी टॉप तथा सात स्वर्णपदक ।

: 1978 में जे० आर० एफ० ।

: 1981 में पी – एच०डी०, **विषय** – "अध्यात्मरामायणे अपाणिनीयप्रयोगाणां विमर्शः" : 1998 में डी० लिट० (याचस्पति)

विषय– "अष्टाध्याय्याः प्रतिसूत्र शाब्दबोध समीक्षणम" यह शोधप्रबन्ध संस्कृत में 1975 पृष्ठों में है, जो विश्व का वृहत्तमशोधप्रबन्ध है।

उपलब्धियाँ– 19 नवम्बर 1982 को श्रीचित्रकूट (म० प्र०) में श्रीतुलसीपीठ की स्थापना।

: 24 जून 1988 को जगदगुरु रामानन्दाचार्य पद पर सर्वसम्मति से मूर्धाभिषेक। 10 अप्रैल 1998 को प्रस्थानत्रयी भाष्य का भारत के तत्कालीन यशस्वी प्रधानमन्त्री मा० अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा लोकार्पण।

: 10 अप्रैल 1998 को हरिद्वार कुम्भ में प्रस्थानत्रयी श्रीराघयकृ पाभाष्य को सभी आचार्यों द्वारा निर्विवाद समर्थन ।

: 11 अप्रैल 1998 को विश्वधर्म संसद , शिकागो द्वारा' धर्मचक्रवर्ती उपाधि।

: 2001 में म0 प्र0 संस्कृत अकादमी द्वारा "राजशेखर पुरस्कार।

– 2002 में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा कविकुलरल।

: 2002 लाल बहादुरशास्त्री संस्कृत विद्यापीत, मई दिल्ली द्वारा " महामहोपाध्याय उपाधि।

: 2003 में दीवाली बेन मोहन लाल मेहता और टेबल ट्रस्ट , गुम्बई द्वारा "दीयाली धेन अवार्ड। 1 2003 में उ०प्र० संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा "अतिविशिष्ट पुरस्कार।

: 2004 में हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा – 'अयपरत्न सम्मान।

: 2004 में ही भारत को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरणत।

: 2005 में संस्कृत महाकाव्य "श्रीभार्गवराघवीयम' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार।

अनुरूपी लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16 YEAR- June. -2020

: 2006 में रामकृष्ण जयदयाल डालमिया श्रीवाणी ट्रस्ट , नई दिल्ली द्वारा " श्रीवाणी अलंकरण ।
: 2006 में मध्यप्रदेश संस्कृत बोर्ड द्वारा 'बाणभट्टपुरस्कार'।
: 2007 में के 0 के 0 बिड़ला फाउण्डेशन, नई दिल्ली द्वारा याचस्पति पुरस्कार। –
: 2008 में श्रीतुलसीसेवा समिति, प्रयाग द्वारा तुलसी पुरस्कार।
: 2013 में अखिल भारतीय पत्रकार समिति द्वारा पूर्वाञ्चलरत्न सम्मान।
: 2013 में 'भाउरावदेवरससम्मान।
: 2015 में भारतसरकार द्वारा "पद्मविभूषणसम्मान।
: 2015 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यशभारती पुरस्कार।
: 2015 में उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ द्वारा विश्वभारती पुरस्कार।

संस्कृतसाहित्य–

१. संस्कृतमहाकाव्यम् –श्रीभार्गवराघवीयम् । २ संस्कृतगीतमहाकाव्यम् – गीतरामायणम् (गीतसीताभिरामम्) ३. संस्कृतखण्डकाव्यम् –आजादचन्द्रशेखरचरितम् । ४. संस्कृतपत्रकाव्यम् –कुब्जापत्रम् । ५. वृहत्तम संस्कृतदूतकाव्यम – भृङ्गदूतम् । । संस्कृतचित्रकाय्यम लपुरपुबरम् । ७ संस्कृतएकांकीनाटकम – श्रीराघवाभ्युदयम् । ८. संस्कृतगद्यकाव्यम – दशावतारचरितम् (प्रकाश्यमान , राट्रियसंस्कृतसंस्थान , नई दिल्ली द्वारा) संस्कृतस्तोत्रकाय्यानि ६ श्रीगणेशाष्टकम् २२ श्रीरमारामस्तोत्रम् १० श्रीसीतारामसुप्रभातम २३ श्रीराघ्यायाष्टपदी ११ श्रीजानकीप्रातःस्मरणम् २४ श्रीपशुपत्यष्टकम १२. श्रीराघवप्रातःस्मरणम २५ नमोराघयायाष्टकम् १३ श्रीवेदाष्टकम २६ श्रीराघवमाधवाष्टकम् १४ लपुरघुवरम् २७. श्रीगोसहस्त्रनामस्तोत्रम १५. श्रीराघयभावदर्शनम् २८ गीतएकादशस्तवम् १६. श्रीरामस्तुति २ ६ श्रीसीताजन्माष्टकम १७. श्रीमानसमहिमाष्टकम् ३० श्रीसीतासुधानिधिः १८. श्रीकामदाष्टकम् ३१. श्रीजानकीकृपाकटाक्षस्तवम ३२ श्रीरामचन्द्राष्टकम् २०. श्रीसङ्कटमोचनाष्टकम ३. श्रीद्वारकाधीशाष्टकम् २१. श्रीरघुनाथशतकम ३४ श्रीमध्यौरेचराष्टकम् ३५ श्रीडाकोरेशाष्टकम् ५८ श्रीरामविजयदशकम् ३८ श्रीमन्दाकिन्यष्टकम् ५ ६ श्रीहनुमत्रतवनम् ३७ गीतनवनीतस्तवम ६० श्रीसरयूलहरी ३८ श्रीहनुमच्चत्वारिंशिका ६१ श्रीसरस्वतीशतकम ३ ६ . सर्वरोगहराष्टकम् ६२ स्वस्तिसप्तकम ४० , कर्णपीडाहराष्टकम् ६३ श्रीआञ्जनेयपञ्चकम् ४१. श्रीकालिकादशकम ६४. श्रीराघवविजयाष्टकम् ४२ श्रीगोदावर्यष्टकम् ४१ श्रीअपूर्वाष्टकम् ४४ श्रीगहामहिम्नस्तोत्रम् ४५. श्रीरामसीतावररायषस्तोत्रम ४ प्रपत्यष्टकम् ४७. श्रीनर्मयाष्टकम ४८ श्रीचित्रकूटविहार्यष्टकम ४ ६ श्रीरामबल्लभास्तोत्रम ५० श्रीरापयवोडशकम ५१ श्रीरामनैवेद्याष्टकम् ५२ श्रीचित्रकूटविहरिण्यष्टकम ५. श्रीरामभद्राष्टकम् ५४ स तीर्थराजो जयति प्रयागः ५५ मत्यापकूट धतु चित्रकूटः ५६ रुष्यष्टकम् ५७ श्रीमद्भगवताष्टकम ८१ श्रीमिथिलाष्टकम ८२ श्रीचित्रकूटाष्टकम ८३. श्रीवाल्मीरयष्टकम् ८४ श्रीवेदव्यासाष्टकम् ८५ श्रीपाणिन्यष्टकम् ८६ श्रीगुर्वष्टकम ८७. श्रीसूर्याष्टकम् ८८ श्रीशिवाष्टकम ८५ श्रीशक्त्यष्टकम् ६ ० . श्रीविष्ण्यष्टकम् ६ १ . श्रीधर्माष्टकम् १२. श्रीराधाष्टकम् ३ श्रीकृष्णाष्टकम् ६ ४ पम्सस्कारस्तोत्रम १५ श्रीतुलसीद्वादशी (आज श्रीमदायरामानन्दाचार्य द्वादशी (७ श्रीमदगोस्वामितुलसीदासद्वादशी (८ ज. बीभदायरामानन्दाचार्यपादुकाष्टम ६ श्रीशियशतकम ७० श्रीसीताष्टकम ७१ श्रीमाण्डव्याष्टकम ७२ श्रीउर्मिलाष्टकम् घ श्रीश्रुतिकीर्त्यष्टकम् ७४ श्रीरामष्टकम् ७५ श्रीभरताष्टकम ७६ श्रीलक्ष्मणाष्टकम् ७७ श्रीशत्रुप्ताष्टकम् ७८ श्रीकौसल्याष्टकम ७ ६ श्रीदशरथाष्टकम् ८० श्रीमदयोध्याष्टकम् ६ ५ श्रीतिलकस्वरूपस्तवम् ६ ८ श्रीशालग्रामस्तवसप्तविशिका ६ ७ श्रीशिशुरापवस्तोत्रम् ६ ८ श्रीणत्ररामस्तोत्रम् ६६ श्रीसीताववररामस्तोत्रम् १०० वीरराघवस्तोत्रम् १०१. राजाधिराजरामस्तोत्रम् १०२ अभिलाषाष्टकम् १०३ करुणाष्टकम् १०४. स्वस्वरूपचिन्तनम् १०५. श्रीशरणागतिशतकम् १०६ , श्रीमानसकीर्तनमाला १०७. श्रीमदाञ्जनेयशतकम् १०८ श्रीनीराजनावलिः १० ६ कामदेशशतकम् ११० ईशावास्योपनिषद ११ १ केनोपनिषद ११२ कठोपनिषद १० प्रश्नोपनिषद ११४ मुण्डकोपनिषद ११५. माण्डूक्योपनिषद ११८ तैत्तरीयोपनिषद ११० ऐतरेयापनिषद ११८ तावतरोपनिषद दर्शनगन्ध १ पृहदारण्यकोपनिषद १२. छान्दोग्योपनिषद (इन ग्यारह उपनिषदों पर विशिष्टादैतपरक श्रीराघवकृपामाध्य) ११. श्रीनद्भगवद्गीता (श्रीरामकृपाभाष्य) १२२ ब्रह्मसूत्र (श्रीराधयकृपाभाष्य) १२। श्रीरामस्तपराज (श्रीरापयकृपाभाष्य) १० श्रीनारदभक्तिसूत्र (श्रीराधयकृपाभाष्य) (सस्कृत तथा गुजराती में) १२ प्रार्थनाकुसुमाञ्जलि १२० गीतसुमारजलि १२८ आर्याशतकम १२ ६ श्रीसीताशतकम १० मन्मधारिशतकम् गीतरामचन्दन र लोकमोत्तिम लघुकाव्यम् घ पण्डीशतकम् ४ श्रीचित्रकूटशतकम १५ श्रीगणपतिशतकम् श्रीरामभक्तिर्वस्वम् १७ प्रपत्तिशतकम ११८ उपदेशनयनीतम ११ विशिष्टाद्वैतदर्पणम् १० श्रीराघवेन्द्रशतकम प्रकरणग्रन्थ एप स्वरूपविमर्श र सविशेषयाद उ विवर्तगर्तायत . अष्टाध्यायी ४ अष्टाध्यायी (श्रीरामभदीयावृत्ति – संस्कृत गर) (प्रकाश्यमान – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली द्वारा) १४५ अष्टाध्यायी (श्रीराघवतोषिणीवृत्ति– संस्कृत पद्य) (प्रकाश्यमान – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली द्वारा) (चालीस हजार लोको में) घ अष्टाध्यायी (श्रीरामप्रतादिनी हिन्दीवृत्ति) (प्रकाश्यमान – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान , नई

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-1, Issues-16 YEAR- June. -2020

दिल्ली द्वारा)
१४७. पाणिनीय धातुपाठ (रामभद्रीयावृत्ति संस्कृतगा) १४८. पाणिनीय धातुपाठ (राघयतोषिणीवृत्ति संस्कृतपद्य) १४ ६ . पाणिनीय धातुपाठ (रामप्रसादिनीवृत्ति हिन्दीभाषा) १५०. पाणिनीय उणादिसूत्र (रामभदीयावृति , संस्कृतपद्य) १५१. पाणिनीय उणादिसूत्र (राघवतोषिणीवृत्ति संस्कृतपद्य) १५२ पाणिनीय उणादिसूत्र (रामप्रसादिनीवृति हिन्दीभाषा) १५३. पाणिनीय लिङ्गानुशासनसूत्र (रामभद्रीयावृत्ति संस्कृतगद्य) १५४ पाणिनीय लिङ्गानुशासनसूत्र (रापयतोषिणीवृत्ति संस्कृतपक्ष) १५५. पाणिनीय लिलानुशासनसूत्र (रामप्रसादिनीवृत्ति हिन्दीभाषा) १५६. " अध्यात्मरामायणे अपाणिनीयप्रयोगाणां विमर्शः " प्रकाश्यमान – श्रीतुलसीपीठसेयान्यास चित्रकूट (म 0 प्र 0) १५७. श्रीमवाल्मीकीय रामायण विमशः (प्रकाश्यमान – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली) " श्रीमद्भागवतम् " पर प्रवधन ग्रन्थ १५८. रासपग्याध्यायी विमर्शः १६०. गोपीगीतम् १५ ६ . वेणुगीतम् १५१ युगलगीतम् १६२. श्रीमद्भागवत विमर्शः (प्रकाश्यमान– राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली) हिन्दी – साहित्य १ ६ ३ . महाकाव्य – अरुन्धती १६६. खण्डकाव्य – काका विदुर १६४. महाकाव्य – अष्टावक्र १५७ , खण्डकाव्य माँ शबरी १६५ , महाकाव्य – अवध की अजोरिया १ ६ ८ , खण्डकाव्य – श्रीसीतारामकेलिकौमुदी गीतकाव्य १६ ६ . भक्तिगीतसुधा १७१. राघवप्रेमलता १७०. राघवगीतगुञ्जन १७२. माधवप्रेमलता एकांकीनाटक १० उत्साह समीक्षा ग्रन्थ १७४. श्रीगीतातात्पर्य १७७. श्रीसीतानिर्वासन नहीं १७५. श्रीतुलसीसाहित्य में कृष्णकथा १७८ , मानस में तापस प्रसंग १०६. सनातनधर्म की विग्रहस्यरूपा – गोमाता, १८० वैचारिक ग्रन्थ १७ ६ . साठ गवेषणात्मक निबन्ध । मेरी स्वर्णयात्रा १८१. मेरी षष्टिपूर्ति १८२. हिन्दू दीपक प्रवचन ग्रन्थ १८३. श्रीभरतमहिमा १ ६ १ . तुम पायक महँ करहु निवासा १८४. प्रभु करि कृपा पाँवरी दीन्ही १ ६ २ . हर ते भे हनुमान १८५. श्रीमानस में सुमित्रा १ ६ ३ . श्रीमानस में तीस कथाएँ १८६ , सुग्रीव की कुचाल और विभीषण की करतूति १ ६ ४ , सब विधि भरत सराहन जोगू १८७. परम बड़भागी जटायु १ ६ ५ , सकल अमानुष करम तुम्हारे १८८ सत्यरामप्रेमी श्रीदशरथ १ ६ ६ . मानस में युगलगीत १८ ६ . श्रीसीताराम विवाहदर्शन १ ६ ७ . श्रीमानस में गुरुमहिमा १ ६ ० , अहल्योद्धार १ ६ ८ . श्रीमानस में दशावतार टीका ग्रन्थ १ ६६ . भावार्थबोधिनी (हिन्दी टीका श्रीरामचरितमानस पर) । २००. मूलार्थबोधिनी (हिन्दी टीका श्रीभक्तिमाल पर) । २०१ . श्रीटीका (श्रीसीतारामकेलिकौमुदी पर) । २०२ . श्रीमहावीरी व्याख्या (श्रीहनुमानचालीसा पर) । सम्पादन ग्रन्थ २०३. हिन्दु संस्कृति दीपक (प्रकाश्यमान , श्रीतुलसीमण्डल (पजी 0) गाजियाबाद (उ 0 प्र 0) । २०४ शुक्ल यजुर्वेदीय सन्ध्या हिन्दी अनुवाद सहित (पाँचयां संस्करण) । २०५. श्रीरापवसेवा । २०६ , श्रीरामचरितमानस मूलगुटका (27 पुरानी प्रतियों के आधार पर सम्पादित) ।

–विशेषताएं – भौतिक क्षेत्र न होने पर भी , बेललिपि का सहारा लिए दिना 204 पुस्तकों का प्रणयन । श्रीरामचरितमानस पर 17 सापाचन सम्पन्न । श्रीमदभागवतम् पर 1100 स्थापचन सम्पन्न । पारामयाह संस्कृत सम्भाषण । आशुकविय (अनेक भाषाओं में) । एक घण्टे में एक सौ लोक बनाने की क्षमता । दर्शन काय एवं निबन्ध लेखन में अप्रतिहत गति । ताकाल समस्यापूर्ति (संस्कृत , हिन्दी आदि भाषाओं में) । संयुक्त राष्ट्र संघ म्यूयार्क में आयोजित विश्वशान्ति शिखर सम्मेलन में 10 मिनट का ऐतिहासिक एवं विश्राम भाषण । भारतीय यात्रमय के लगभग डे लाख पृष्ठ उपस्थित । सरकार द्वारा शैक्षिक विषय में शोध कराने की अनुमति । समाजसेवा श्रीतुलसीपीठ , चित्रकूट (म 000) की स्थापना । श्रीतुलसीपशाच्च बधिर उध्यतर माध्यमिक विद्यालय चित्रकूट (भ्वने) की स्थापना । जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्याज विश्वविद्यालय चित्रकूट (उ 0 प्र 0) की स्थापना । (जीवनपर्यन्त कुलाधिपति श्रीरामवीयो जगद्गुरु स्वामी दामभद्राचार्य) श्रीगीता ज्ञानमन्दिर ट्रस्ट मण्डल राजकोट (गुजरात) की स्थापना । पशिष्टायनम – हरिद्वार (उत्तराखण्ड) की स्थापना । श्री रापदगोशाला – श्रीतुलसीपीठ विपशूट (म o40) मे स्थापना ।

विशेष ध्यातव्य जीवनपर्यन्त कुलाधिपति – जगद्गुरु रामभदाणार्य दिव्याज विभाविद्यालय चित्रकूट (उत्तर प्रदेश) भारतसरकार के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा ' पद्याविभूषण से सम्मानित । प्रधानमंत्री मा 0 नरेन्द्र मोदी जी द्वारा स्वच्छता अभियान को मनोनीत नवरत्नों में प्रथम मनोनीत । अना में महाकवि भवभूति के शब्दों में में यही विनम्र निवेदन करते हुए अपने जीवन की विवरणिका को विभाग दे रहा हूँ कि – ये नाम केचिदिह नः प्रथयन्यवा . जानन्ति ते किमपि तान् प्रति नैष यत्नः । उत्पत्स्यते मम तु कोऽपि समानधर्मा , कालो ह्ययं निरवधिविपुला च पृथ्वी ।। अर्थात् जो लोग ऐसी परिस्थिति में इतना करने पर भी मेरी प्रतिभा की अवज्ञा या अवहेलना कर रहे है ये या तो मुझसे अधिक जानते हैं या मुझसे कम । उन्हें समझशाने का में कोई प्रयत्न नहीं कर रहा हूँ । अर , इस विशाल कालखण्ड में इस विशाल पृथ्वी पर कोई तो मेरे समान स्वभाव वाला होगा . यह मेरी प्रतिभा का मूल्यांकन कर लेगा रामभदो हि जानाति रामभद्रसरस्वतीम् । रामभदो हि जानाति रामभदरारस्वतीम् ।।

इति सानन्द प्रस्तौति विदुषां स्नेहमान
जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामि रामभदाचार्यः

*****